GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

RECORD OF PARTICIPATIVE LEARNING 2023-24

DEPARTMENT OF COMMERCE

पांच दिवसीय NET /SET कार्यशाला का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ K.L.टांडेकर के संरक्षण एवं निर्देशन, विभागाध्यक्ष डा S K उके के मार्गदर्शन एवं विभाग के समस्त प्राध्यापकों के सहयोग से 5 दिवसीय (दिनांक 20-09-2023 से 25-09-2023) नेट सेट कार्यशाला का आयोजन न्यू हॉल में M.com 1 st sem , M.Com 3sem एवं B.com अंतिम वर्ष के छात्र- छात्राओं के लिए किया गया।

कार्यशाला के प्रथम दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण करके किया गया । तत्पश्चात संस्था प्रमुख का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ उके द्वारा, विभागाध्यक्ष का स्वागत आयुष साहू, वरिष्ठ पाध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत खुशी श्रीवास्तव एवं मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन का स्वागत सोनल जैन द्वारा किया गया ।कार्यक्रम का संचालन प्रो रागनी पराते द्वारा किया गया।

NET /SET कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विभागाध्यक्ष ने बताया कि विद्यार्थियों को अध्ययन- अध्यापन के साथ-साथ कैरियर को सुरक्षित करने के लिए ऐसे परीक्षाओं की तैयारी अपने विषय के पढ़ाई के साथ साथ करनी चाहिए।

इसके पश्चात प्राचार्य मोहदय ने अपने उद्बोधन ने सर्वप्रथम विभाग के सभी प्राध्यापकों को इस सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी, साथ ही छात्र- छात्राओं को शुभाशीष एवं बधाई देते हुए कहा कि अपने विषय की पढ़ाई के साथ साथ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेना चाहिए। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी आसान नहीं होती इसलिए अभी से एक निशित समय में इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए समय दें।

तत्पश्चात मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं जो वर्तमान में शाजकीय विज्ञान महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता से रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

इसके पश्चात उन्हें अपने विषय परीक्षा की तैयारी कैसे करें?, विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि नेट की परीक्षा में कितने पेपर होते हैं ,कितने प्रश्न होते हैं, कितने अंक के होते हैं। फिर प्रथम प्रश्न पत्र जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होता है जिसमें10 इकाइयों के विषयों को बहुत ही विस्तृत रूप से जानकारी दी, साथ ही दूसरे प्रश्न पत्र जो कि अपने विषय से संबंधित होता है कि 10 इकाइयों के विषय में बहुत ही सारगर्भित जानकारी प्रदान की जिससे छात्र-छात्राएं अपने पढ़ाई के साथ साथ इन 10 इकाइयों के विषयों के टॉपिक्स को गहन अध्ययन एवं नोट्स की संपूर्ण तैयारी पूर्व में हीं करके परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं। जो टॉपिक सरल हो उन्हें पहले ही पहले पढ़ें एवं जिन टॉपिक में समस्याएं उत्पन्न होती है उन्हें शिक्षक एवं google के सहायता

Scanned with OKEN Scanner

से तैयारी कर सकते हैं । अंत में उन्होंने बताया कि वह परीक्षा की तैयारी में समय प्रबंधन एवं दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है।

कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता वैष्णवी देवांगन को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी के लिए विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।

चतुर्थ दिवस

कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया । तत्पश्चात विभागाध्यक्ष का स्वागत प्रतीक साहू, वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत रेणु एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर रागिनी पराते का स्वागत मनोहर साहू द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो तरूणा वर्मा द्वारा किया गया।

तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो रागिनी पराते के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं जो वर्तमान में शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट /से ट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

इसके पश्चात उन्हें अपने विषय शोध प्रविधि एवं लेखांकन विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में दूसरे अनिवार्य प्रश्न पत्र के शोध प्रविधि विषय में -अर्थ ,प्रकार, विशेषताएं, चरण, शोध प्रबंध एवं आलेख लेखन, शोध में आई सी टी का अनुप्रयोग, शोध नैतिकता। दूसरे विषय लेखांकन- मूलभूत सिद्धांत, संकल्पना, अभिकल्पना, साझेदारी लेखें , कंपनी का लेखांकन - सूत्रधारी , लागत एवं प्रबंध लेखें, वित्तीय विवरण लेखांकन, मानव संसाधन लेखांकन एवं भारतीय लेखांकन टॉपिक के साथ-साथ सारगर्भित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता प्रो रागिनी पराते को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी के लिए विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।

कार्यशाला के तृतीय दिवस पर कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया । तत्पश्चात विभागाध्यक्ष का स्वागत आयुष साहू, वरिष्ठ प्राध्यापक एच सी जैन का स्वागत प्रतीक साहू, वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती स्वयं सिद्धा झां का स्वागत मनोहर साहू, प्रो रागिनी पराते का स्वागत खुशी श्रीवास्तव एवं मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा का स्वागत पूनम द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो सुश्री प्रतिभा सिंह द्वारा किया गया।

तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा के संक्षिप्त परिचय में बताया कि वह इस महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता के रूप में कार्य कर रही है जिन्होंने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

इसके पश्चात उन्हें अपने विषय व्यवसायिक अर्थशास्त्र और व्यवसायिक पर्यावरण विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

उन्होंने अपने वक्तव्य में दूसरे अनिवार्य प्रश्न पत्र के व्यवसायिक पर्यावरण विषय में - आंतरिक एवं बाहर पर्यावरण, SWOT विश्लेषण, PESTEL विश्लेषण, QUEST, TOWS, औद्योगिक नीति, पंचवर्षीय योजना,। दूसरे विषय व्यवसायिक अर्थशास्त्र- बाजार, मांग, लागत विश्लेषण,PPC टॉपिक के साथ-साथ सारगर्भित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के अंत में मुख्य वक्ता प्रो तरूणा वर्मा को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेट परीक्षा की तैयारी में इन विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों को अपना कर छात्र-छात्राएं परीक्षा में अवश्य ही सफल होंगे पाएंगे।

चतुर्थ दिवस पर कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रध्यापिका रागिनी पराते ने किया। चतुर्थ दिवस पर वक्ता वाणिज्य विभाग की प्रध्यापिका महिमा जोबनपुत्रा थी। जिन्होंने छात्र- छात्राओ को परीक्षा का प्रारूप, तैयारी के समय ध्यान रखने योग्य बातें, व पेपर द्वितीय (वाणिज्य) की इकाई 5 व 10 के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संचालिका सुश्री रागिनी द्वारा सर्वप्रथम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. उके के स्वागत हेतु आयुष साहू का आमंत्रित किया गया। व श्री एच. सी.जैन के स्वागत हेतु प्रतीक साहू को आमंत्रित किया गया। श्रीमती स्वयंसिद्धा झा का स्वागत प्रियांशिका त्रिपाठी द्वारा महिमा जोबनपुत्रा का स्वागत सोनल जैन द्वारा कराया गया। तत्पश्चात वक्ता महिमा जोबनपुत्रा को वक्तव्य हेतु आमंत्रित किया गया। सुश्री महिमा ने छात्रों को यूजीसी नेट का अर्थ,पेपर का प्रारूप, पेपर की संख्या, समय, आयु सीमा,ऑफिशल वेबसाइट ,पेपर हेतु तैयारी करते समय ध्यान में रखे जाने वाली बातों के बारे में बताया। तत्पश्चात उन्होंने पेपर द्वितीय (वाणिज्य) की इकाई क्रमांक 5 व्यावसायिक सांख्यिकी एवं शोध विधि के पाठ्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी व परीक्षा में पूछे जाने वाले मुख्य शीर्षकों के बारे में बताया तत्पश्चात इकाई क्रमांक 10 आयकर एवं निगम कर योजना के संबंध में चर्चा की जिसमें आयकर की धाराओं, निवास स्थान, सीमांत राहत,कटौतियां, कर वंचन,जैसे शीर्षकों पर चर्चा की गई। अगली घड़ी में छात्रों से प्रश्न आमंत्रित किए गए ताकि वे अपनी समस्याओं का हाल प्राप्त कर सके चतुर्थी दिवस के अंत में छात्रों को प्रतिपुष्टि हेतु आमंत्रित किया गया ताकि वे अपने अनुभव के बारे में जानकारी दे सके व कार्यक्रम के संबंध में सुझाव दे सके। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती स्वयंसिद्धा झा के द्वारा किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

पंचम दिवस

पंचम दिवस पर कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रध्यापिका सुश्री रागनी पराते द्वारा किया गया। पंचम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की प्रध्यापिका श्रीमती पूजा कुमारी को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत के माध्यम से हुई संस्था के प्राचार्य श्री के. एल. टांडेकर का स्वागत से एसके ओके के द्वारा किया गया वही विभाग अध्यक्ष डॉ श्री एस. के. उके का स्वागत तुलेश्वर् द्वारा किया गया। श्री एच. सी. जैन का स्वागत प्रतीक साहू द्वारा किया गया । श्रीमती स्वयं सिद्धा झा का स्वागत हेमा साहू द्वारा किया गया श्रीमती पूजा कुमारी का स्वागत मनोहर द्वारा किया गया। तत्पश्चाप पूजा कुमारी को वक्तव्य है तो आमंत्रित किया गया उन्होंने छात्रों को पीपीटी के माध्यम से ऑफिशल वेबसाइट को कैसे ओपन किया जाए,फॉर्म भरते समय ध्यान में रखने वाली बातें, ऑफिशल वेबसाइट पर उपलब्ध मॉक टेस्ट को कैसे दिया जाए व गत वर्षो के प्रश्नों को उदाहरण के माध्यम से बताया। तत्पश्चात छात्रों से प्रश्न आमंत्रित किए गए पांच दिवसीय कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉक्टर के. एल. टांडेकर छात्रों को आशीर्वचन देने हेतु किया गया श्री दांडेकर ने छात्रों को नेट का महत्व बताते हुए इस परीक्षा को देने व प्राध्यापक बनने के हेतु प्रेरणा दी साथ ही उन्होंने नेट/सेट के अलावा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में बताया। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग को धन्यवाद ज्ञापन किया साथ ही उन्होंने अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विषय विशेषज्ञ आमंत्रित कर छात्रों को जानकारी प्रदान करने की बात कही। तत्पश्चात विभागाध्यक्ष श्री एस. के. उके ने भी छात्रों को पुस्तकालय में उपलब्ध नेट /सेट की पुस्तकों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन श्री एच. सी.जैन ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसिद्धा झा, डॉ प्रज्ञा मिश्रा, तरुण वर्मा, महिमा जोबनपुत्रा,पूजा कुमारी व प्रतिभा सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

Scanned with OKEN Scanner

वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक व औद्योगिक भ्रमण

वाणिज्य विभाग द्वारा स्नतककोत्तर के विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के. एल.टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. ऊके के मार्गदर्शन में दिनांक 17 फरवरी 2024 को दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित ग्राम करकाभाट जिला बालोद का भ्रमण कराया गया | सहकारी शक्कर कारखाने के प्रबंधक संचालक राजेंद्र प्रसाद राठिया ने कारखाने की विस्तृत जानकारी बताते हुए शक्कर बनाने की पूरी प्रक्रिया का वर्णन किया| इसके साथ ही विद्यार्थियों को सियादेही एवं गंगा मैया मंदिर का दर्शन कराया गया |

Scanned with OKEN Scanner

उपरोक्त भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत एम. ओ.यू एक्टिविटी के अंतर्गत घनश्याम सिंह गुप्ता महाविद्यालय का भी भ्रमण कराया गया| इस शैक्षणिक भ्रमण में वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर एच. सी.जैन, श्रीमती स्वयं सिद्ध झा एवं महिमा जोबनपुत्र ने छात्र-छात्राओं का नेतृत्व किया | वाणिज्य विभाग के पी. जी.के छात्र-छात्राओं द्वारा मेने उक्त औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण से ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की गयी |

Scanned with OKEN Scanner

वाणिज्य विभाग द्वारा अग्रणी दिग्विजय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020(NEP) पर आधारित विस्तार गतिविधि का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोकत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉक्टर श्री के.एल.टांडेकर एवं आई. क्यु. ए. सी. के प्रयास व वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया ।उच्चतर माध्यमिक शाला,कन्हारपुरी में दिनांक 6/12/2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कन्हारपुरी विद्यालय के 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को **"अग्रणी दिग्विजय -राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020"** अंतर्गत छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति के विजन उद्देश्य महत्व व महाविद्यालय में संचालित होने वाले सारे पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई साथी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में पी. पी.टी.के माध्यम से छात्रों को जेनेरिक कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, स्किल एनहैंसमेंट कोर्स,के बारे में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुरेंद्र ढारगावे, वरिष्ठ व्याख्याता वीरेंद्र दुबे, स्वाति दुबे एवं अन्य स्टाफ व साथ ही दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर एस.के. उके,सहायक प्राध्यापक एच. सी. जैन, श्रीमती सुमन कोचर, कुमारी रागिनी पराते एवं वाणिज्य विभाग के अन्य सभी प्राध्यापक साथ ही ऍम. कॉम प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संबंध में व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जानकारी प्रोफेसर रागिनी पराते ने दी, तत्पश्चात इंडक्शन प्रोग्राम की जानकारी महिमा जोबनपुत्रा द्वारा दी गई, अंत में कैरियर गाइडेंस के माध्यम से छात्रों को 12वीं के पश्चात करियर ऑप्शन व उच्च शिक्षा हेतु जानकारी तरुणा वर्मा द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य को स्मृति चिन्ह वह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया एवं छात्र-छात्राओं से प्रतिपुष्टि फॉर्म देकर कार्यक्रम के संबंध में प्रतिपुष्टि ली गई। उक्त कार्यक्रम विभाग के समस्त प्राध्यापको एवं एम.कॉम.प्रथम एवं अंतिम के छात्र-छात्राओं के सहयोग से किया गया|

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner